ABSTRACT

मिथक दुनिया के सबसे समृद्ध पौराणिक कहानियों का एक ख़ज़ाना है । इसका अद्भुत एवं अनूठा पहलू यह है कि सभी लोग अपने देश या समाज के इन सदियों पुरानी कहानियों से पूर्ण रूप से परिचित है । इन कहानियों को हमे बचपन में सुनाया जाता है जो कल के लिए एक अच्छे नागरिक बनने के लिए हमारे व्यक्तित्व को आकार देता है । इसके साथ मिथक किसी व्यक्ति से संबंधित विरासत या संस्कृति का निर्माण में अहम भूमिका निभाती है। मिथक और लोक कथाएँ लोगों की धर्मो का आधार बन जाती है जिनका वे सदियों से पालन करते आए हैं ।

मिथकीय कहानियों में जो बुराई और अच्छाई के बीच लड़ाई उल्लेखित है उससे हमें नैतिक मूल्य सीखने को मिलता है । मिथक पूर्वजों के लिए महत्वपूर्ण थी भी आज , हमेशा और है महत्वपूर्णरहेगी। इसका प्रभाव इतना सशक्त है कि कई मानवीय तर्कों में भी मिथक का प्रतिबिंब छायांकित होता है । मिथक को महत्वपूर्ण मानने के पीछे का सबसे मुख्य कारण यह है कि यह एक ऐसी कहानी है जिसमें कुछ वास्तविक तथ्य शामिल है । एक ही मिथक में विश्वास करने वाले लोगों के बीच कभी भी एकता कभी-है होता । इनमें मतभेद होने की संभावना कम दिखाई देता है । मिथक को अपने आप में यथार्थ माना जाता है जो मनुष्य के अंदर कृतज्ञ एवं आशा की भावना को जगाती है । इसी कारण से मिथक का मनुष्य पर प्रभाव के संबंध में तार्किक रूप से वर्णन करना कठिन है । मिथकीय साहित्य के लेखन में विभिन्न रचनाकारों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है । उनमे नरेंद्र कोहली एवं अमीश त्रिपाठी के मिथकीय उपन्यासों पर मैंने शोध कार्य किया है ।